भारत सरकार

पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा

अतारां कत प्रश्न सं0 **4693**

दिनांक **22** जुलाई**,** 2019

एचओईसी कंसोर्टियम

4693. श्री प्रद्युत बोरदोलोईः

क्या पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कः

(क) क्या यह सच है क हिन्दुस्तान ऑयल एक्सप्लोरेशन कॉर्पोरेशन (एचओईसी) कंसोर्टियम ने ऊपरी आसाम के डीरोक टी॰ई॰ क्षेत्रों में प्राकृतिक गैस की पर्याप्त मात्रा का पता लगाया है और उत्पादित की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) गैस का उत्पादन कए जाने का आक लत समय कब तक है और जिनके प्रयोजन के लए उत्पादित गैस का उपयोग कया जा रहा है उनका ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्री

(श्री धर्मेन्द्र प्रधान)

(क) और (ख): ब्लॉक एएपी-ओएन-94/1 में प्रचालक के तौर पर हिन्दुस्तान ऑयल एक्सपलोरेशन कॉर्पोरेशन (एचओईसी) ने दिरोक-1 के नाम से एक गैस खोज की है। मूल्यांकन के बाद, खोज को वा णज्यिक उत्पादन के उद्देश्य से वक सत कया गया। क्षेत्र वकास योजना (एफडीपी) के अनुसार, तत्स्थल भंडार 314 बि लयन घन फीट (बीसीएफ) और अनुमानत अंतिम भंडार (ईयूआर) 209 बीसीएफ है। दिरोक से वा णज्यिक उत्पादन की शुरूआत अगस्त, 2017 से हुई। वर्तमान में, यह क्षेत्र 6 उत्पादक कूपों से प्रति दिन 38 म लयन मीट्रीक मानक घन फीट (एमएमएससीएफडी) गैस तथा 950 बैरल कंडन्सेट का उत्पादन कर रहा है। अनुमोदित एफडीपी के अनुसार, यह स्वीकार कया गया है क वर्ष 2025 तक इस खोज से उत्पादन प्राप्त होता रहेगा। एचओईसी ब्रह्मपुत्र क्रेकर एंड पॉ लमर ल मटेड (बीपीसीएल) को गैस की तथा इं डयन ऑयल कॉर्पोरेशन ल मटेड (आईओसीएल) डग्बोई रिफाइनरी को कंडन्सेट की आपूर्ति कर रही है।

****